दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, बुधवार 05 अप्रैल 2023
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

न्यायपालिका की फटकार

नफरती भाषणों के साक्ष्य किसी याचिकाकर्ता को क्यों इक_े करने चाहिए? सरकार अगर मानती है कि सभी धर्मावलबियों की तरफ से नफरती भाषण दिए जा रहे हैं, तो वह खुद इनके साक्ष्य इकट्ठा कर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है?

कभी न्यायिक टिप्पणियों को सरकार की जवाबदेही तय करने का एक प्रमुख माध्यम समझा जाता था। प्रतिकूल टिप्पणियां सरकारों की शर्मिंदगी का कारण बनती थीं और कई बार तो मंत्रियों को इनकी वजह से इस्तीफा देने की नौबत आ जाती थी। लेकिन यह तब की बात है, जब भारतीय लोकतंत्र को एक जीवंत प्रयोग के रूप में देखा जाता था। अगर वह दौर होता, तो नफरती भाषणों के मामले में सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां केंद्र सरकार के लिए मुसीबत का सबब बन जातीं। आखिर कोर्ट ने यह कह दिया कि ऐसे भाषणों को रोकने में सरकार निशक्त साबित हुई है। एक जज ने यह सवाल भी उठाया कि अगर यह सब खुलेआम चल रहा है, तो आखिर सरकार है किसलिए? पिछले साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा था कि सविधान भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में देखता है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों को अभद्र भाषा के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने और शिकायत की प्रतीक्षा किए बिना दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का निर्देश दिया था। जबकि ताजा मामले में याचिकाकर्ता की तरफ से महाराष्ट्र में कई रैलियों में दिए गए नफरती भाषणों के संबंध में प्रकाशित समाचार का हवाला दिया।

तब कोर्ट की बेंच ने कहा- हम समझते हैं कि क्या हो रहा है, यह गलत समझ नहीं बननी चाहिए कि हम चुप हैं। सरकार की तरफ से उपस्थित सॉलिसिटर जनरल ने मामले को दूसरी दिशा देने की कोशिश की। उन्होंने कहा- अगर हम वास्तव में इस मुद्दे के बारे में गंभीर हैं तो कोर्ट कृपया याचिकाकर्ता को निर्देश दे कि वह सभी धर्मो में नफरत फैलाने वाले भाषणों को इक_ा करे और समान कार्रवाई के लिए अदालत के समक्ष रखे। बहरहाल, यह सवाल सरकार से पूछा जा सकता है कि यह काम किसी याचिकाकर्ता को क्यों करना चाहिए? सरकार अगर मानती है कि सभी धर्मावलबियों की तरफ से नफरती भाषण दिए जा रहे हैं, तो वह खुद इनके साक्ष्य इकट्ठा कर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है? ऐसे सवालों को भटकाने की कोशिश से दरअसल सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं।

बेमौसम बारिश की वजह से गेहूं की 10 फीसदी फसल को हुआ नुकसान

नईदिल्ली। केंद्र ने कहा कि प्रमुख उत्पादक राज्यों में हाल में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की करीब 8-10 प्रतिशत फसल खराब होने का अनुमान है। लेकिन देर से बुवाई वाले क्षेत्रों में बेहतर उपज की संभावना से उत्पादन में होने वाले नुकसान की भरपाई की उम्मीद है। कृषि आयुक्त पी के सिंह ने कहा कि हाल के खराब मौसम के बावजूद कृषि मंत्रालय के दूसरे अनुमान के अनुसार इस साल देश का कुल गेहूं उत्पादन रिकॉर्ड 11.22 करोड़ टन पर पहुंच जाएगा।

उन्होंने कहा कि लगभग 8-10 प्रतिशत गेहूं की फसल क्षति का अनुमान उन क्षेत्रों में लगाया गया है जो ओलावृष्टि, आंधी और तेज़ हवाओं के कारण पौधों के जमीन पर गिरने से हुआ। इस साल देश में कुल 3.4 करोड़ हेक्टेयर गेहूं बोए जाने के मद्देनजर गेहूं को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

कृषि आयुक्त ने कहा कि अन्य स्थानों पर जहां ओलावृष्टि और तेज हवाएं नहीं थीं, बेमौसम बारिश ने मिट्टी की नमी में सुधार किया है और गेहूं की फसल की उपज की संभावनाओं को और बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि अनाज में भराव के चरण के दौरान तापमान में गिरावट से उपज में और सुधार होगा।

सिंह ने आगे कहा, बेमौसम बारिश से अधिक क्षेत्र में फसल को फायदा हुआ है और देर से बुवाई वाले क्षेत्रों में फसल की पैदावार 10-15 प्रतिशत अधिक होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में 80 प्रतिशत गेहूं की फसल कट चुकी है, इसलिए इन दोनों राज्यों में फसल को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में गेहूं का लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र देर से बोया गया था और इन स्थानों पर बेमौसम बारिश से फसल की वृद्धि में मदद मिल रही है।

सिंह ने कहा, इसलिए फसल के नुकसान की वजह से होने वाली संभावित क्षति की भरपाई बाकी पैदावार में बढ़ोतरी से हो जाएगी। कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार निस्संदेह हम रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन हासिल करेंगे।

मंत्रालय ने चालू फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 11.22 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया है। पिछले साल, बेमौसम बारिश और गर्मी की लू चलने के कारण घरेलू गेहूं के उत्पादन में गिरावट आई, जिससे सरकार को बढ़ती घरेलू कीमतों को रोकने के लिए निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, खराब मौसम के कारण मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में लगभग 5.23 लाख हेक्टेयर गेहूं की फसल खराब होने का अनुमान है। पंजाब और हरियाणा में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। गेहूं एक प्रमुख रबी (सर्दियों) की फसल है।

ब्लू बर्ड की जगह नजर आ रहा डॉगी ट्विटर ने बदला अपना लोगो

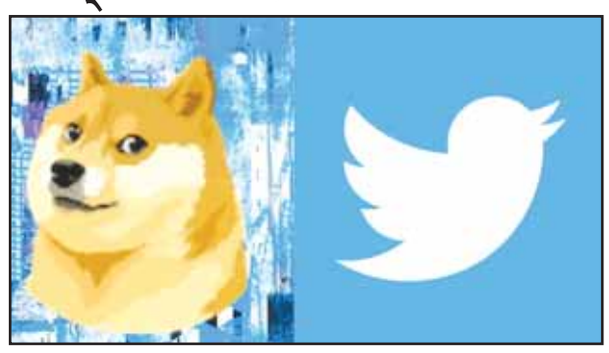

नई दिल्ली। ट्विटर के मालिक एलन मस्क इस माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के फीचर्स में एक और बड़ा बदलाव किया है. इस बार एलॉन मस्क ने ट्विटर का लोगो ही बदल दिया है. ब्लू बर्ड की जगह अब डॉगी नजर आ रहा है. ऐसे में माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर अब कुछ अलग दिखने लगी है.

ट्विटर की नीली चिडिया की जगह डॉगी बैठ गया है. ट्विटर ने अपना ब्लू बर्ड वाला लोगो बदलकर अब डॉज कर दिया है. दरअसल डॉज डॉजकॉइन क्रिप्टो करेंसी का भी आइकन है. एलन मस्क डॉजकॉइन के समर्थकों में से एक है. इस डॉज को अक्सर मीम्स में देखा गया है. हालांकि मस्क ने फरवरी में ही लोगो बदलने की ओर इशारा कर दिया था. अभी तक आधिकारिक रूप से इस बदलाव की कोई जानकारी नहीं दी गई है.

डॉजकॉइन ने ट्विटर का लोगो बदले जाने के बाद ट्वीट कर बताया कि इस कुत्ते का नाम काबोसु है. यह जापान के सकुरा में अपने मालिक अत्सुको सातो के साथ रहता है. अत्सुको सातो ने साल 2010 में अपने ब्लॉग पर काबोसु की तस्वीरें अपलोड की थीं. डॉजकॉइन ने बताया कि काबोसु एक रेस्क्यू डॉग है.

वित्त मंत्रालय इस साल करेगा 16वें वित्त आयोग का गठन

नईदिल्ली। वित्त मंत्रालय ने लोकसभा को सूचित किया है कि वह चालू कैलेंडर साल 2023 में 16वें वित्त आयोग का गठन करने जा रहा है। वित्त आयोग का गठन वित्त वर्ष 27 से शुरू होने वाले अगले 5 साल के लिए होगा।

अंबेडकर नगर के सांसद ऋतेष पांडेय के सवाल का जवाब देते हुए वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इसकी जानकारी दी।

चौधरी ने कहा, 'संविधान के अनुच्छेद 280 के मुताबिक इसका कार्यक्षेत्र व अन्य शर्तें होंगी।' चौधरी ने उत्तर और दक्षिण भारत में कर के विभाजन को लेकर मतभेद के मसले पर कोई जवाब नहीं दिया।

वित्त मंत्रालय ने अपने वित्त वर्ष 24 के बजट में 16वें वित्त आयोग से जुड़े कार्यालय बनाने के लिए 10 करोड़ रुपये का शुरुआती आवंटन किया था।

पैसेंजर वाहनों की खुदरा बिक्री में 14 फीसदी का इजाफा

❐ मार्च में बिके 3 लाख से ज्यादा वाहन

नईदिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की आपूर्ति में सुधार से देश में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री मार्च महीने में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,35,266 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (एफएडीए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों का पंजीकरण का आंकड़ा 3,35,266 इकाई पर पहुंच गया। मार्च, 2022 में यह संख्या 2,93,016 इकाई रही थी।

एफएडीए ने बयान में कहा कि दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री भी पिछले महीने 12 प्रतिशत बढ़कर 14,45,867 इकाई हो गई। एक साल पहले इसी महीने में 12,86,109 दोपहिया वाहन बिके थे।

इसी तरह, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी पिछले महीने बढ़कर 92,790 इकाई रही। यह आंकड़ा पिछले साल मार्च के 84,124 इकाई से 10 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि के दौरान तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 69 प्रतिशत बढ़कर 86,857 इकाई पर पहुंच गई। वहीं ट्रैक्टर बिक्री पिछले महीने चार प्रतिशत बढ़ी। यह 78,070 इकाई से बढ़कर 81,607 इकाई पर पहुंच गई।

पिछले महीने कुल वाहन पंजीकरण बढ़कर 20,41,847 इकाई हो गया। यह मार्च, 2022 में पंजीकृत 17,92,802 इकाई के आंकड़े से 14 प्रतिशत अधिक रहा। आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष 2022-23 मे यात्री वाहनों का पंजीकरण 23 प्रतिशत बढ़कर 36,20,039 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में यह 29,42,273 इकाई था। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 में 1,34,94,214 इकाई से 19 प्रतिशत बढ़कर 1,59,95,968 इकाई हो गई। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री समाप्त वित्त वर्ष में 33 प्रतिशत बढ़ी।

इनकम टैक्स : डेडलाइन! सरकार ने कर दिया ऐलान, अब इस तारीख के बाद नहीं भर पाएंगे इनकम टैक्स

नईदिल्ली। इनकम टैक्स दाखिल करने की प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है. लोग इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल भी कर रहे हैं. इस बार इनकम टैक्स दाखिल करते वक्त कई सारे बदलाव हुए हैं. इनकम टैक्स रिजीम में बदलाव हुए हैं तो वहीं इनकम टैक्स स्लैब में भी बदलाव देखने को मिला है. इसके साथ ही न्यू टैक्स रिजीम में इनकम टैक्स छूट की सीमा में भी इजाफा किया गया है. वहीं सरकार ने इनकम टैक्स रिर्टन दाखिल करने की डेडलाइन के बारे में भी बताया है, जिसके बारे में सभी को ध्यान रखना चाहिए.

वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन से अगर चूक गए तो दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिर्टन दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है, जबकि 1 अप्रैल से नया वित्त वर्ष 2023-24 शुरू हो चुका है. समय पर आयकर रिटर्न दाखिल करना प्रत्येक करदाता की एक अनिवार्य जिम्मेदारी है. यह एक कानूनी दायित्व है और इसका पालन करने में विफल होने पर वित्तीय दंड और कानूनी कार्रवाइयों सहित विभिन्न परिणाम हो सकते हैं.

अगर 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने से चूक जाते हैं तो इसके बाद

अगर सरकार के जरिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तारीख को नहीं बढ़ाया जाता है तो इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए जुर्माना चुकाना होगा. अगर आपकी इनकम टैक्सेबल है और 31 जुलाई के बाद इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करते हैं तो जुर्माना देना होगा.

बहुत से लोग इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने से पूरी तरह बचते हैं क्योंकि उन्हें प्रक्रिया बोझिल लगती है. इसके विपरीत, क्योंकि आयकर रिटर्न को सरकार के पास दर्ज किया जाता है और कानूनी साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जाता है, आयकर रिटर्न में महत्वपूर्ण कानूनी भार होता है. जैसा कि आयकर रिटर्न दाखिल करना एक अच्छे नागरिक होने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह प्रत्येक कामकाजी भारतीय की नैतिक आवश्यकता है. ऐसे में समय पर इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना चाहिए.

फिर टली रिलायंस कैपिटल की नीलामी

नईदिल्ली। कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं ने नीलामी को 11 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया है. नीलामी में तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है. सूत्रों ने कहा कि दूसरे दौर की ऑनलाइन नीलामी में तीन कंपनियों के शामिल होने की मंशा जताने के बाद ऋणदाताओं की समिति ने बोलीकर्ताओं को अधिक समय देने का फैसला किया है. इस कारण से 4 अप्रैल को प्रस्तावित नीलामी 11 अप्रैल के लिए पोस्टपोन कर दी गई है.

सूत्रों के अनुसार पहले सिर्फ इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड ने ही दूसरे दौर की नीलामी में हिस्सा लेने की बात कही थी. लेकिन बाद में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट और सिंगापुर की ऑकट्री भी इस होड़ में शामिल हो गई हैं. नए दौर की नीलामी के लिए सीओसी ने शुद्ध वर्तमान मूल्य पर 9,500 करोड़ रुपये का आधार मूल्य तय किया है. सुप्रीम कोर्ट ने कर्जदाताओं को दोबारा नीलामी करने की अनुमति दी हुई है. हालांकि, इस मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होने वाली है.

सूत्रों ने कहा कि सभी बोलीदाताओं ने ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता के प्रावधानों के अनुरूप कर्ज समाधान प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा है. इसके पहले 21 दिसंबर को हुई ऑनलाइन नीलामी में टॉरेंट ने सबसे ज्यादा 8,640 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी. दूसरे नंबर पर रही आईआईएचएल ने बाद में अपनी बोली को संशोधित करते हुए 9,000 करोड़ रुपये कर दिया था.

आरबीआई ने भुगतान में चूक और कामकाज से जुड़े गंभीर मुद्दों के आधार पर रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को नवंबर, 2021 में भंग कर दिया था. इसके साथ ही नागेश्वर राव वाई को कंपनी प्रशासक नियुक्त किया गया था.

आज का राशिफल

मेष : आज आपके पास पर्याप्त समय होने पर भी व्यस्त ही रहोगे। योगा, प्राणायाम अवश्य करें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।

वृष : आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं।

मिथुन : आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी।

कर्क : घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है।

सिंह : अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है।

कन्या : आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगा। शारीरक लाभ मिलेगा। अनुभवी लोगों से जुडक़र जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आखिऱी वक़्त पर टल सकती है।

तुला : आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे। धार्मिक रूचि बढेगी। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनाए रखें लक्ष्मी वास होगा।

वृश्चिक : आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं।

धनु : मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। मित्र मण्डली का सकारात्मक सहयोग रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है।

कुंभ : आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है।

मीन : अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है।

गर्मियों में शरीर की दुर्गंध दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

गर्मियों के मौसम में त्वचा के पसीने पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण शरीर से गंध आने लगती है। अक्सर यह गंध आपको दूसरों के सामने शर्मसार कर देती है। इससे छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग परफ्यूम का इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन इसका असर कुछ ही समय के लिए होता है। आइए आज हम आपको शरीर की गंध दूर करने के लिए 5 असरदार प्राकृतिक और घरेलू उपचार बताते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका अम्लीय होता है और यह एंटी-माइक्रोबियल गुणों के लिए जाना जाता है। इस कारण यह बैक्टीरिया को नष्ट करता है और अंडरआर्म्स में पीएच स्तर को कम करता है। इसके अलावा यह शरीर के दुर्गंध को कम करता है क्योंकि यह पसीने के उत्पादन को भी कम देता है। लाभ के लिए सेब के सिरके में एक कॉटन बॉल डुबोएं और फिर इसे अपनी अंडरआर्म्स पर लगाएं। बेहतर परिणाम के लिए इसे दिन में 2 बार लगाएं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा अंडरआर्म्स के पीएच स्तर को ठीक करके उन्हें ताजा और बैक्टीरिया से मुक्त रखता है। इस उपाय को करने के लिए अपने अंडरआर्म्स पर बेकिंग पाउडर को टैल्कम पाउडर की तरह थपथपाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके अलावा आप बेकिंग सोडा में पानी मिलाकर इसके पेस्ट को अंडरआर्म्स पर लगा सकते हैं और फिर इसके सूखने के बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें।

टमाटर का रस

टमाटर का रस एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-सेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, जो इसे शरीर की दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए एक प्रभावी उपचार बनाता है। यह आपके अंडरआर्म्स में अत्यधिक पसीने के उत्पादन और संचय को नियंत्रित करता है। इसके साथ ही यह गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया और संक्रमण को भी मारता है। लाभ के लिए टमाटर के रस में एक कपड़ा भिगोकर अपने अंडरआर्म्स पर लगा लें।

नीम की पत्तियां

नीम आयुर्वेद में सबसे अधिक मांग वाली जड़ी-बूटियों में से एक है, जो कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर है। एंटी-सेप्टिक, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर नीम शरीर की गंध को प्रभावी ढंग से दूर करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए 1 बड़ी चम्मच नीम की पत्तियों का पाउडर लें और फिर उसमें थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने अंडरआर्म्स पर लगाएं और फिर सूखने के बाद इसे धो लें।

नींबू का रस

नींबू एंटी-सेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, जो दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया के विकास को कम करने में मदद कर सकता है। यह गुण शरीर की दुर्गंध को दूर करने के लिए इसे एक उत्कृष्ट घटक बनाता है। लाभ के लिए आधा नींबू निचोड़ें और इसके रस को अपने अंडरआर्म्स पर मलें। इसके बाद जब नींबू का रस अवशोषित हो जाए तो फिर इसे पानी से धो लें।

रवि तेजा स्टारर रावणासुर 7 अप्रैल को होगी रिलीज

टॉलीवुड मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित क्राइम एक्शन थ्रिलर रावणासुर 7 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हैदराबाद में ग्रां प्री-रिलीज इवेंट में रवि तेजा ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव बताए। उन्होंने कहा, हम सभी फिल्म को लेकर बहुत आश्वस्त हैं।

एक्टर ने कहा, मेरा ²ढ़ विश्वास है कि रावणासुर सभी का मनोरंजन करेगा और 7 अप्रैल को दर्शकों को सीटी बजाने के लिए मजबूर करेगा। अभिषेक नामा (को-प्रोड्यूसर) को हम क्यूट बॉय कहते हैं। फिल्म का टाइटल और इसका डिजाइन भी उन्हीं ने तैयार किया हैं। वह मल्टी-टैलेंटेड हैं।

रवि तेजा ने कहा: मैं चाहता हूं कि यह फिल्म एक बड़ी हिट हो और हम दोनों की मेहनत रंग लाए। हम प्रोड्यूसर के रूप में भी एक बेहतरीन काम करेंगे। रवि तेजा ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा, सुधीर वर्मा मेरे पसंदीदा निर्देशक हैं। वह बहुत प्यारे और सकारात्मक व्यक्तित्व के इंसान हैं। मैं चाहता हूं कि सुधीर इस फिल्म के साथ सफलता के अगले स्तर तक जाएं।

शब्द सामर्थ्य- 24

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

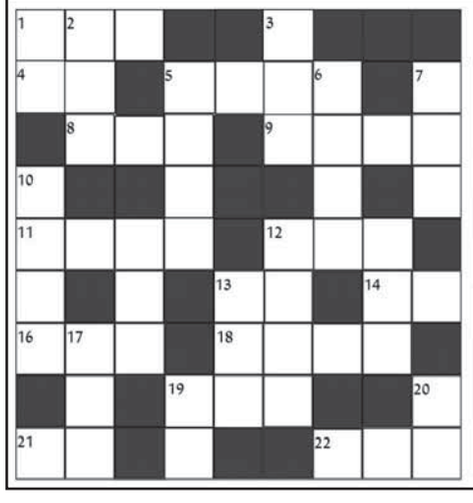

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 023 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 24

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 023 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6